आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय

(सम्बद्ध–महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी)

डोमरी (पड़ाव) रामनगर - वाराणसी

A.S.C. MAHILA MAHAVIDYALAYA
Estd.2009

College Code - 154

पाथेय

पाथेय
Year - 2
वार्षिक समाचार पत्रिका
January - December 2025

आत्मकथ्य

काशी के समीप अवस्थित पावन रामनगर में देवाधिदेव महादेव के आशीर्वाद और आचार्य पंडित सीताराम चतुर्वेदी जी के संकल्पों से सिंचित, 'बालशिक्षा मण्डल' की उच्च शिक्षा की इस शाखा की स्थापना सन् 2009 में ग्रामीण बेटियों को सशक्त बनाने हेतु की गई थी। महामना मालवीय जी के इस विचार को आत्मसात करते हुए कि शिक्षण संस्थाएं केवलउपाधि के लिए नहीं बल्कि चरित्र निर्माण के लिए होती हैं, यह महाविद्यालय पिछले 16 वर्षों से शहर के कोलाहल से दूर एक शांत और प्राकृतिक वातावरण में छात्राओं के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य कर रहा है। विज्ञान और वाणिज्य से प्रारम्भ हुई यह यात्रा आज कला संकाय के सात प्रमुख विषयों और बी.बी.ए (B.B.A.) पाठ्यक्रम तक पहुँच चुकी है। यहाँ यूजीसी मानकों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाता है।

इस महाविद्यालय का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि कौशल विकास और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को देश का जिम्मेदार नागरिक बनाना है। वर्तमान में आगामी सत्र के लिए एम.कॉम. और एम.एससी. (Botany, Zoology and Chemistry) जैसे उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों की प्रस्तावित योजना के साथ महाविद्यालय निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। यहाँ का हरा-भरा परिसर और अनुशासित शैक्षणिक माहौल विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। ज्ञान, मूल्य और संस्कारों के इसी संगम को आगे बढ़ाते हुए, पिछले सत्र 2025 में आयोजित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण आपके समालोचनार्थ एव सुझावार्थ प्रस्तुत है।

प्रो0 कल्पलता पाण्डेय

निदेशक - आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय

पूर्व कुलपति- जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

अनुक्रमणिका

विवरण	पृष्ठ संख्या
• स्वामी विवेकानन्द जयंती	1
• एक दिवसीय संगोष्ठी	2
• गणतंत्र दिवस	2
• आचार्य पं. सीताराम चतुर्वेदी की जयंती	3
• महिला दिवस	3
• साप्ताहिक शैक्षणिक संवर्धन कार्यक्रम	3
• वैदिक गणित पर ऑनलाइन गेस्ट लेक्चर	4
• ऑनलाइन गेस्ट लेक्चर	5
• विश्व पृथ्वी दिवस	5
• पहलगाम आतंकी हमले पर शोकसभा	5
• योगाभ्यास	5
• स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम	6
• वृहद वृक्षोरापण जन अभियान - 2025	6
• गुरू पूर्णिमा	6
• तीन दिवसीय दीक्षा कार्यक्रम	6
• शिक्षक दिवस	7
• राष्ट्रीय हिन्दी दिवस	7
• अन्तरराष्ट्रीय ओजोन दिवस 2025	7
• पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती	8
• विश्व पर्यटन दिवस	8
• नवरात्रि उत्सव	8
• दीपावली उत्सव	9
• सरदार पटेल की 150वीं जयंती	9
• 14वें वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता	9
• नव प्रवेशी छात्राओं का भव्य स्वागत	10
• कम्यूनिकेशन स्किल्स इन करियर बिल्डिंग पर संगोष्ठी	10
• सूजाबाद और डोमरी गाँव में सामाजिक सर्वेक्षण	10
• औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण	11
• मालवीय जयंती एवं अटल बिहारी वाजपेयी जयंती	11

संरक्षक
प्रो॰ कल्पलता पाण्डेय

सम्पादक
श्रीमती सीमा मिश्रा

उप-सम्पादक
डॉ. प्रतिमा राय

स्वामी विवेकानन्द जयंती का आयोजन

महाविद्यालय के अभिनव भरत सभागार में 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती धूम-धाम से मनाई गयी। जयंती की आरम्भ महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय जी के द्वारा सरस्वती माँ एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. सुनीति गुप्ता ने स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्मिकता के प्रतीक थे। उनका मूलनाम नरेंद्रनाथ दत्त था। उन्होंने वेदांत और योग के सिद्धांतों को पूरे विश्व में फैलाया और भारतीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। 1893 में उन्होंने शिकागो विश्व धर्म

महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अपने प्रभावशाली भाषण से पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। उनका प्रसिद्ध उद्धरण 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत' आज भी युवाओं को प्रेरित करता है। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो आज भी समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानवता और राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। इसके पश्चात अंजली विश्वकर्मा ने स्वामी जी के जीवन पर आधारित वृत्त चित्र प्रस्तुत किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में आचार्य पं. सीताराम चतुर्वेदी जी के 27 जनवरी को 118वीं जयंती के उपलक्ष में त्रिदिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस दिनांक 25 जनवरी 2025 को 'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं अभिनवभरत आचार्य सीताराम चतुर्वेदी का अवदान' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी की मुख्य वक्ता प्रो. शशिकला त्रिपाठी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य पंडित सीताराम चतुर्वेदी सनातन धर्म के ध्वजवाहक सदृष्य दिखाई देते हैं। मनुष्य बने रहने के लिए जरूरी है कि हम सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ें। आचार्य जी काशी के सपूत थे। वह शिक्षक, दार्शनिक, लेखक भी थे। वह आसपास के लोगों को भी प्रेरित करते रहते थे। वे भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रखर वाहक और उपदेशक रहे हैं। उन्होंने बताया कि आचार्य जी ने 80 नाटक लिखे हैं। बुलानाला में आचार्य जी ने चंद्रगुप्त नाटक (जयशंकर प्रसाद) का मंचन किया था।

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो. अवधेश प्रधान जी ने कहा कि उनको आचार्य जी के दर्शन तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ है। 'उन्होंने स्वयं को अभिनवभरत' कहा था तथा वह सर्वथा योग्य भी थे। मुख्य अतिथि ने संगोष्ठी में बोलते हुए कहा कि उन्हें आचार्य जी का दर्शन करने का सौभाग्य तो नहीं मिला। उन्होंने कहा कि आचार्य सीताराम चतुर्वेदी जी एक व्यक्ति नहीं विचार हैं, सीमित नहीं अपार हैं। वह अप्रतिम साहित्यकार, व्यंग्यकार, निबंधकार एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने कहा कि रचनाओं का दोहरा शतक लगाना एक असाधारण बात है, आचार्य जी उन गिने चुने लोगों में रहे हैं जिन्होंने रचनाओं का दोहरा शतक लगाया है।

आचार्य जी को स्वाधीनता के बाद भारत मां के विकसित प्रणाली, संरचना की चिंता थी। संगोष्ठी के पश्चात आचार्य जी से संबंधित उनकी रचनाओं तथा उनके पत्रावलियों व वस्तुओं के संग्रहालय का उद्घाटन भी मुख्य अतिथि के द्वारा किया गया।

गणतंत्र दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में 76वें गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रामनगर स्थित देश के पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा से प्रभात फेरी निकाली गई जो परिसर में आकर समाप्त हुई।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रामनरेश शर्मा तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या नीता त्रिपाठी ने ध्वजारोहण किया। साथ में महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय तथा विद्यालय के निदेशक श्री मुकुल पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण के पश्चात सभी ने मिलकर राष्ट्रगान तथा वंदे मातरम् गीत का गायन किया। महाविद्यालय तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट किया गया। महाविद्यालय तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम इस अवसर पर प्रस्तुत किए गए। महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर सबको शुभकामना दी। उन्होंने अपने संबोधन में स्वंत्रता सेनानियों के संघर्ष की चर्चा की और छात्राओं को देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने बेटियों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूल के निदेशक श्री मुकुल पाण्डेय ने सबको बधाई दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रामनरेश शर्मा तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीता त्रिपाठी ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। अंत में मिष्ठान वितरण के पश्चात कार्यक्रम समाप्त हुआ। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय तथा महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बड़ी संख्या में अभिभावक व छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

आचार्य पं. सीताराम चतुर्वेदी जी की जयंती

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय डोमरी (रामनगर) वाराणसी स्थित आचार्य पं. सीताराम चतुर्वेदी जी का 118 वीं जन्म जयंती दिनांक 27 जनवरी 2025 को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रो. बलराज पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं पद में भले प्रोफेसर हूं लेकिन प्रोफेसर बन जाने से कोई विद्वान नहीं कहलाता है। आचार्य जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वह नाटककार, साहित्यकार, लेखक एवं संस्कृत के साथ कई भाषाओं के ज्ञाता भी थे।

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 से अब तक प्रत्येक वर्ष बी.एससी. तथा बी. कॉम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को इस अवसर पर स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। महाविद्यालय के वर्ष भर के समाचारों के संकलन 'पाथेय' का विमोचन इस अवसर पर अतिथियों द्वारा किया गया।

जन्म जयंती के इस अवसर पर आचार्य जी को याद करते हुए महाविद्यालय में हजारों दीप जलाए गये।

महिला दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 8 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनितिक उपलब्धियों का सम्मान करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

साप्ताहिक शैक्षणिक संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में 22 मार्च से 29 मार्च तक साप्ताहिक शैक्षणिक संवर्धन का कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन 22 मार्च को विश्व जलदिवस के अवसर पर छात्राओं द्वारा पोस्टर के माध्यम से जलसंरक्षण के महत्व को दर्शाया गया तथा छात्राओं को जल के संरक्षण तथा उसके महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। 22 मार्च को ही महाविद्यालय की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत करौंदी स्थित राजकीय आई.टी.आई. कॉलेज ले जाया गया, जहां स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में श्री गोपालमिश्र तथा श्रेयशी जी द्वारा संस्थान में चल रहे विभिन्न प्रकार के स्किल कोर्स की जानकारी छात्राओं को प्रदान की गई।

कार्यशाला के दूसरे दिन 24 मार्च को महाविद्यालय में ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान (Webinar) का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संतोष कुमार (सेठ पी.सी कॉलेज, हाथरस) के द्वारा 'व्यवसाय पर आर्टिफिशियलइंटेलिजेंस का प्रभाव' विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला के तीसरे दिन 25 मार्च को महाविद्यालय में बेसिक आफ म्यूजिक थेरेपी विषय पर प्रो. दुर्गेश कुमार उपाध्याय द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान में उन्होंने संगीत के माध्यम से चिकित्सा के विषय में छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि कैसे हम संगीत के माध्यम से अपनी समस्या का समाधान कर सकते हैं।

कार्यशाला के चौथे दिन 26 मार्च को महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा अपने कौशल को कला के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। छात्राओं ने महाविद्यालय के दीवार को विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों से पेंटिंग द्वारा सजाया। कार्यशाला के पांचवें दिन 27

मार्च को महातिविद्यालय की छात्राओं को सूजाबाद एवं होमरी गामीण क्षेत्रों में ले जाया गया। छात्राओं द्वारा वहां के निवासियों को जल के महत्व एवं जलसंरक्षण के विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला के छठवें दिन 28 मार्च को महातिविद्यालय की छात्राओं द्वारा जल के संरक्षण एवं उसके महत्व पर बनाए गए पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. रुस्तम अली के द्वारा किया गया। डॉ. रुस्तम अली ने पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा छात्राओं के कार्य की सराहना की । कार्यशाला के सातवें दिन 29 मार्च को महातिविद्यालय द्वारा वेबीनार का आयोजन किया गया।

वेबीनार का विषय 'महाकुंभ' : आध्यात्मिकता संस्कृति एवं सदाचार का संगम' रहा. वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में पद्मश्री प्रो. राजेश्वर आचार्य, प्रो. आद्या प्रसाद पाण्डेय (पूर्व कुलपति मणिपुर विश्वविद्यालय), प्रो. अतुल त्रिपाठी (आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष) कला इतिहास विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय एवं श्री कानू चक्रवर्ती (सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी., काशी हिंदू विश्वविद्यालय) ने आभासी माध्यम से उदबोधन प्रस्तुत किया। पद्मश्री प्रो. राजेश्वर आचार्य जी ने वेबीनार में कहा कि महाकुंभ में जाकर सभी वर्ग के लोग एक हो जाते हैं। महाकुंभ अध्यात्म की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। यह तपयात्रा हमें उत्कर्ष की ओर ले जाती है । कुम्भ हमारे आत्मा की तरह है, अनेकता में एकता का सेतुबंध है। उन्होंने बताया कि निरंतर परिष्कार और परिमार्जन की प्रक्रिया से जो ज्ञान और मूल्य हमें प्राप्त होते हैं, उन्हीं के आधार पर हम भविष्य में अपनी पहचान स्थापित करते हैं, यही हमारी संस्कृति है।

प्रो. आद्या प्रसाद पाण्डेय ने वेबीनार में बोलते हुए कहा कि महाकुंभ में कई प्रकार की गतिविधि होती है, जिसमें आर्थिक गतिविधि बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है। भारत में बहुत सारे स्थान पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और भारतीय जनता उनके विकास में बड़ा योगदान कर रही है। पर्यटन बढ़ने से लोगों को रोजगार भी मिलता है। भारत से दुनिया के अन्य विश्वविद्यालय महा कुम्भ पर शोध करने के लिए जुड़ गए हैं। धार्मिक पर्यटन के अंतर्गत जब लोग धार्मिक स्थल पर आते हैं तो वह उदारता पूर्वक धन खर्च करते हैं। आर्थिक अर्थव्यवस्था के अंतर्गत छोटे - छोटे दुकानदारों, कंपनियों की बड़ी सहायता हुई है। सरकार के इस आयोजन से बुनियादी ढांचे में भी बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हुआ है जिसका दीर्घकालीन लाभ अवश्य मिलेगा । प्रो. अतुल त्रिपाठी ने महाकुंभ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कल्पवास के समय लोग तपस्वी का जीवन जीते हैं। शाही स्नान को अब अमृत स्नान के नाम से जाना जाता है। श्री कानू चक्रवर्ती ने महाकुंभ के विषय पर बोलते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने AI पावर और सीसीटीवी, एंटी ड्रोन पावर, आपदा प्रबंधन, यातायात प्रबंधन, GI आधारित नक्शे, हवाई निगरानी इत्यादि की कुंभ में समुचित व्यवस्था व उसके लाभ के बारे में बताया । अंत में महातिविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा महाकुंभ के बारे में अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने छात्राओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि छात्राओं ने कार्यशाला में बहुत मेहनत किया है तथा इस प्रकार की कार्यशाला आगे भी आयोजित होती रहेगी। कार्यशाला से छात्राओं का सर्वांगीण विकास होता है।

वेबीनार में अतिथियों का स्वागत ऋचा शुक्ला, संचालन शिवानंद तथा धन्यवाद ज्ञापन अंजलि विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

वैदिक गणित पर ऑनलाइन गेस्ट लेक्चर

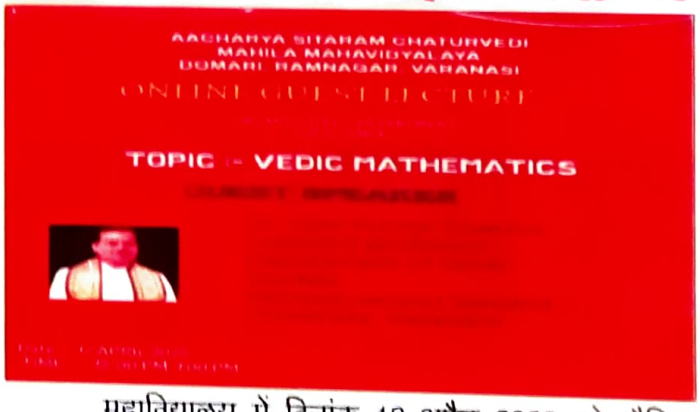

महातिविद्यालय में दिनांक 12 अप्रैल 2025 को 'वैदिक गणित' विषय पर एक ऑनलाइन गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। ऑनलाइन गेस्ट लेक्चर के मुख्य वक्ता डॉ. विजय कुमार शर्मा, सहायक आचार्य, वेद विभाग, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी थे। डॉ. विजय कुमार शर्मा ने 16 सूत्र और 13 उपसूत्र के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वैदिक काल में लोग सूर्य के रोशनी या परछाई से समय का पता कर लेते थे। उन्होंने वैदिक गणित के तीन पर्यायवाची गणना, संख्यात्मक और अंकात्मक के बारे में भी बताया।

ऑनलाइन गेस्ट लेक्चर का आयोजन

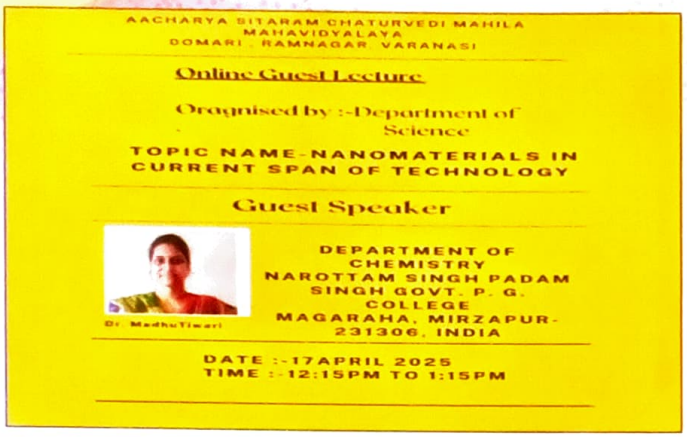

महाविद्यालय में दिनांक 17 अप्रैल 2025 को रसायन विभाग द्वारा ' वर्तमान तकनीक में नैनो सामग्री का महत्व ' विषय पर एक ऑनलाइन गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया, जिसमें नरोत्तम सिंह पदम सिंह राजकीय पी.जी. कॉलेज, मंगरहा (मिर्जापुर) के रसायन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मधु तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहीं। डॉ. मधु तिवारी ने छात्राओं को नैनोमैटेरियल्स की मूलभूत जानकारी दी और बताया की प्राचीन कालसे ही नैनोमैटेरियल्स उपलब्ध थे। उन्होंने बताया कि नैनोमैटेरियल्स का प्रयोग मेडिकल, हेल्थ केयर, कृषि, उद्योग, और उर्जा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। उन्होंने नैनो तकनीक से जुड़ी कुछ रोचक परियोजनाओं के बारे में बताया ।

विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में दिनांक 22 अप्रैल2025 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम 'Our Power, Our Planet' रही, जिसके माध्यम से पृथ्वी को बचाने की सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया।

पहलगाम आतंकी हमले पर शोकसभा का आयोजन

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए दर्दनाक आतंकी हमले को लेकर देशभर में शोक की लहर है। इसी क्रम में महाविद्यालय में दिनांक 25 अप्रैल2025 को एक श्रद्धांजलि शोक सभा का आयोजन किया गया। इस हमले में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने शोकसभा की अध्यक्षता करते हुए शहीदों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और घायल नागरिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

योगाभ्यास का आयोजन

महाविद्यालय में 21 जून 2025 को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं, छात्राओं तथा कर्मचारियों ने भाग लिया। जयवीर और अनमोल साहनी ने 12 मंत्रों के साथ सूर्य नमस्कार और अन्य प्रकार के योग को कराया। महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने योग

के महत्व को बताते हुए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बलदिया। उन्होंने कहा कि योग से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है। इसी के साथ उन्होंने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत दिनांक 26 जून 2025 को डोमरी, रामनगर स्थित आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में अध्ययनरत 33 छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुनील पटेल, विधायक रोहनिया तथा विशिष्ट अतिथि शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी रोहित सिंह, अपर जिला कृषि अधिकारी वाराणसी थे।

वृहद वृक्षारोपण जन अभियान – 2025

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण जन अभियान 2025 के अंतर्गत प्रदूषण मुक्त स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया

गुरू पूर्णिमा आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय तथा बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूलके प्रांगण में दिनांक 10 जुलाई 2025 को

श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

तीन दिवसीय दीक्षा कार्यक्रम

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए बी.एससी., बी.कॉम., बी.बी.ए. और बी.ए.

की छात्राओं का तीन दिवसीय दीक्षा कार्यक्रम (19, 20 और 21 अगस्त) बुधवार से प्रारंभ हुआ। महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. अरुण कुमार दुबे, डॉ. सुनीति गुप्ता, डॉ. सूर्य प्रकाश वर्मा, डॉ. प्रतिमा राय, दीपक कुमार गुप्ता, वैशाली पाण्डेय और पुस्तकालयाध्यक्ष श्रद्धा पाण्डेय ने छात्राओं को महाविद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं व अवसरों की जानकारी दी। इसमें पढ़ाई, परीक्षा प्रणाली, अनुसंधान, प्लेसमेंट, औषधीय उद्यान, पुस्तकालय, खेलकूद, योग व ध्यान (मेडिटेशन) पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

शिक्षक दिवस का आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में दिनांक 5 सितम्बर 2025 को भारत के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित शिक्षक दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय प्राचार्य प्रो. राम नरेश शर्मा तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि करके तथा छात्राओं द्वारा कुलगीत एवं गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का आरम्भ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा शास्त्रीय संगीत और नृत्य प्रस्तुत किया गया। छात्राओं ने शिक्षकों के प्रति अपने विचार भी व्यक्त किए। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्राओं द्वारा आयोजित खेलमें प्रतिभाग कर उसका आनंद लिया।

महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने गुरुओं की महिमा और शिक्षकों के मूल कर्तव्य को समझाते हुए गुरुओं के प्रकार को बताया तथा सभी का मार्गदर्शन करते हुए अपना आशीर्वचन प्रदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम नरेश शर्मा ने शिक्षक दिवस के महत्व को समझाया तथा जीवन में शिक्षा और समय के महत्व को बताया।

राष्ट्रीय हिन्दी दिवस का आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय हिंदी दिवस (14 सितंबर) के उपलक्ष में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय- 'हिंदी एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज' रहा। इस दौरान मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. श्रद्धानंद (पूर्व अध्यक्ष, हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी) रहे।

मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा मौलिक रचना प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रो. श्रद्धानंद ने सर्वप्रथम हिंदी दिवस की बधाई देते हुए प्रतिभागी छात्राओं को पुरस्कृत करने पर प्रसन्नता व्यक्त किया। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व को समझाया। राजभाषा और राष्ट्रभाषा के विषय में भी उन्होंने जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से भाषा की शक्ति एवं संविधान के विषय में बताया। व्यावहारिक हिंदी के विषय के महत्व को बताते हुए उसे पठन-पाठन में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा देश की धड़कन है। हिंदी भाषा दुनिया में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। उन्होंने हिंदी भाषा पर गर्व करने के लिए कहा।

अन्तरराष्ट्रीय ओजोन दिवस 2025

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस दिनांक 16 सितम्बर 2025 पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं, शिक्षक और शिक्षिकाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर ओजोन परत संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को लेकर अपने विचार साझा किए। महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. सूर्य प्रकाश वर्मा ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन के लिए ऑक्सीजन से भी अधिक आवश्यक ओजोन है। उन्होंने बताया कि ओजोन

परत की रक्षा करना आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि ओजोन संरक्षण को लेकर वियना कन्वेंशन 22 मार्च 1985 को 28 देशों द्वारा अपनाया गया था, जिसका उद्देश्य पृथ्वी की ओजोन परत की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में 25 सितम्बर 2025 को पंडित दीन दयालउपाध्याय की 109वीं जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवक्ता श्री मुकेश गुप्ता ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक समावेशी विचारधारा के समर्थक थे। वे मानते थे कि भारतीय बुद्धि पर सिद्धांतों का प्रभुत्व है। उन्होंने आधुनिक तकनीक का स्वागत किया, लेकिन हमेशा भारतीय आवश्यकताओं के अनुसार स्वराज और स्वशासन पर जोर दिया। उनके द्वारा प्रस्तुत एकात्म मानववाद की विचारधारा आज भी प्रासंगिक है।

विश्व पर्यटन दिवस

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में 'विश्व पर्यटन दिवस' के अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा रामनगर स्थित किला के सामने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार के स्लोगन तथा चित्रों के पोस्टर बनाकर प्रदर्शित किया गया तथा आने वाले पर्यटकों को तिलक लगाकर व गुलाब का फूल देकर विश्व पर्यटन दिवस एवं रामनगर के किले के बारे में बताया गया एवं बधाई दी गई। छात्राओं द्वारा रामनगर चौराहे से किला तक रैली निकालकर लोगों को विश्व पर्यटन दिवस के बारे में जागरूक किया गया। छात्राओं ने 'Ramnagar-A Glimpse into Royal and Cultural Heritage' थीम पर पोस्टर बनाया। महाविद्यालय के डॉ. अरुण कुमार दुबे ने इस अवसर पर कहा कि वर्ष 2025 विश्व

पर्यटन दिवस का नारा 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी दृष्टि ने भारत के पर्यटन क्षेत्र को सतत परिवर्तन और प्रगति का सशक्त प्रतीक बना दिया है। स्वदेश दर्शन, प्रसाद, और डिजिटल पहल के माध्यम से पर्यटन को समावेशी, लचीला, और पर्यावरण-अनुकूल स्वरूप प्रदान किया गया है। 73% भारतीय पर्यटक सतत पर्यटन को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो वैश्विक औसत से अधिक है। कार्यक्रम समन्वयक सुश्री सोफिया खानम ने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) की पहलपर मनाया जाता है। इसे पहली बार 1980 में मनाया गया था। 2025 की थीम 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' पीएम मोदी के 'विकास और विरासत' के एजेंडे को साकार करती है। उन्होंने कहा कि पर्यटन के जरिए भारत न केवल आर्थिक समृद्धि हासिल कर रहा है, बल्कि वैश्विक एकता का संदेश भी दे रहा है।

नवरात्रि उत्सव

29 सितंबर 2025, सोमवार को आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में नवरात्रि, दुर्गा पूजा और दशहरा का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के एवं आचार्य पंडित सीताराम जी चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया। निदेशक महोदया ने छात्राओं को

नव दुर्गा के नौ रूपों के महत्व से अवगत कराया तथा उनके आध्यात्मिक, नैतिक और सांस्कृतिक संदेशों पर प्रकाश डाला। अंत में उन्होंने सभी छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और आशीर्वाद प्रदान किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने नवरात्री से संबंधित विविध नृत्य और नाट्य प्रस्तुत किया, जिनमें देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों तथा उनके असुरों पर विजय का भावपूर्ण चित्रण किया गया। छात्राओं की इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में छात्राओं और शिक्षक शिक्षिकाओं ने डांडिया खेलकर एक-दूसरे को नवरात्री, दुर्गा पूजा और दशहरा की शुभकामनाएँ प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अरुण कुमार दुबे ने उपस्थित छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

दीपावली उत्सव

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में दिनांक 18 अक्टूबर 2025 को दीपावली अवकाश के पूर्व महाविद्यालय में दीपावली का उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बना हुआ था। महाविद्यालय परिसर में तीन स्थानों पर बी.ए., बी.एस.सी., एवं बी.कॉम. वर्ग की छात्राओं द्वारा विशेष प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। कला विभाग की छात्राओं ने 'अशोक वाटिका' थीम पर मनमोहक प्रस्तुति दी। इसमें प्रकृति रंग-विरंगे फूलों और पत्तियों का

सृजनात्मक प्रयोग कर सजावट की गयी थी, जो सभी का ध्यान आकर्षित कर रही थी। विज्ञान विभाग की छात्राओं ने 'प्रकृति और विज्ञान का संगम' विषय पर सजावट तैयार की। इस प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने पर्यावरण संक्षरण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सुन्दर सन्देश दिया। वाणिज्य विभाग छात्राओं ने 'आर्थिक समृद्धि और सृजन शीलता विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। सभी विभागों की छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियाँ अत्यन्त सुसंगठित, क्रमबद्ध और आकर्षण ढंग से तैयार की। उनकी मेहनत, कलात्मक दृष्टि और टीम भावना के कारण महाविद्यालय परिसर का प्रत्येक कोना रचनात्मकता की सुन्दर झलक पेश कर रहा था।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती

भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक, राष्ट्र निर्माण के महान शिल्पकार और स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती शुक्रवार को आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनायी गयी।

कार्यक्रम में डॉ. प्रतिमा राय ने लौह पुरुष सरदार पटेलके जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला। वहीं छात्राओं में निधि शर्मा, अनु पटेल, इशिका, हुम्ना परवीन और नेहा ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए सरदार पटेल के योगदान को याद किया। महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. सूर्य प्रकाश वर्मा ने वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से सरदार पटेल के प्रेरणादायी जीवन की झलकियां प्रस्तुत कीं। सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ मिलकर औषधि उद्यान में पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान लौंग, काली मिर्च, इलायची, रबर, अश्वगंधा, गिलोय, इन्सुलिन सुपारी आदि विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

महाविद्यालय परिवार ने इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और हरित पर्यावरण के संदेश को समाज तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।

14वें वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में 14वें वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ 10 नवम्बर 2025 को बड़े धूमधाम से हुआ। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि अशोक कुमार गुप्ता (राष्ट्रपति पुरस्कार द्वारा सम्मानित अंतरराष्ट्रीय एथलीट) महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम नरेश शर्मा, बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूल डोमरी के निदेशक श्री मुकुल पाण्डेय तथा

श्रीमती अपूर्वा पाण्डेय ने माँ सरस्वती व आचार्य पं. सीताराम चतुर्वेदी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रथम दिन महाविद्यालय की छात्राओं ने बैड मिन्टन, डिस्कस थ्रो, खो-खो, चेस, शॉट पुट, दूसरे दिन जैवलिन थ्रो, उंची कूद, कैरम आदि प्रतियोगिता में भाग लिया।

14वीं वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन 12 नवम्बर 2025 को मुख्य अतिथि श्रीमती नीलू मिश्रा (अंतरराष्ट्रीय एथलीट) के द्वारा सम्पन्न हुआ।

नव प्रवेशी छात्राओं का भव्य स्वागत

महाविद्यालय में सत्र 2025-26 की नव प्रवेशी छात्राओं के लिए भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की निदेशक प्रो. कल्पलता पाण्डेय तथा डॉ. अरुण कुमार दुबे द्वारा मां सरस्वती एवं आचार्य पंडित सीताराम चतुर्वेदी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। निदेशक महोदया ने छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने नव प्रवेशी छात्राओं से कहा कि वे अपने परिश्रम और अनुशासन से महाविद्यालय का नाम रोशन करें। स्वागत समारोह में तृतीय और पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने नव प्रवेशी छात्राओं के लिए खेल, नृत्य और गीत-संगीत जैसे कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कम्यूनिकेशन स्किल्स इन करियर बिल्डिंग पर आयोजित संगोष्ठी

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय में 22 नवम्बर 2025 को 'कम्युनिकेशन स्किल्स इन करियर बिल्डिंग' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य वक्ता प्रो. माया शंकर पाण्डेय, सेवानिवृत्त आचार्य, अंग्रेजी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, डॉ. अरुण कुमार दुबे तथा श्रीमती सीमा मिश्रा द्वारा मां सरस्वती तथा आचार्य पंडित सीताराम चतुर्वेदी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। मुख्य वक्ता ने कम्युनिकेशन स्किल्स और करियर बिल्डिंग जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर छात्राओं को मार्गदर्शन किया। अपने प्रेरणादायक उदबोधन में उन्होंने यह स्पष्ट किया कि प्रभावी संवाद केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास निर्माण और करियर उन्नति का मजबूत आधार होता है। वक्ता ने उदाहरणों तथा वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से बताया कि उत्तम संचार कौशल व्यक्ति की नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और समस्या-समाधान योग्यता को भी सशक्त बनाते है। उनके द्वारा साझा किये गये विचारों ने छात्राओं को यह सोचने का अवसर दिया कि करियर निर्माण केवलअकादमिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व के सर्वांगिक विकास का विषय है।

सूजाबाद और डोमरी गाँव में सामाजिक सर्वेक्षण

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय द्वारा समुदाय से जुड़ने एवं उनके लाभार्थ हेतु सूजाबाद एवं डोमरी नामक दो गाँव को गोद लिया गया है। गाँवों में बच्चों की सामाजिक, शैक्षिक एवं पारिवारिक स्थिति को समझने के उद्देश्य से एक सामाजिक सर्वेक्षण का आयोजन किया गया। यह सर्वेक्षण बी.ए. समाजशास्त्र विभाग के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा दिनांक 15,17 तथा 18 नवंबर को क्रमशः किया गया।

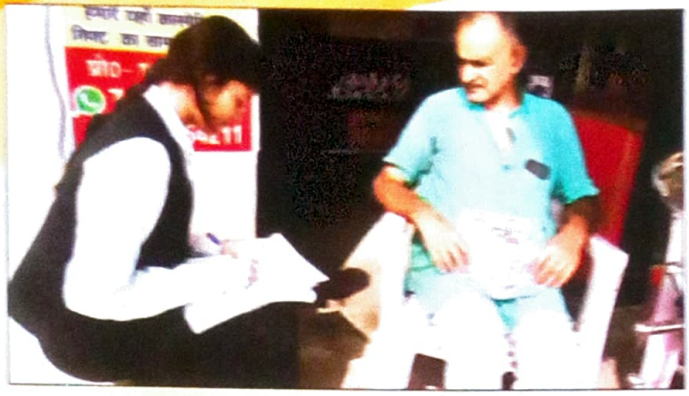

सर्वेक्षण के दौरान छात्राओं ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पारिवारिक वातावरण, खेलकूद, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता एवं सामाजिक समस्याओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी एकत्र की। छात्राओं ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों से प्रत्यक्ष संवाद कर प्रश्नावली के माध्यम से तथ्य संकलन किया।

इस सामाजिक सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं महिलाओं की वर्तमान स्थिति को समझना तथा उनकी समस्याओं और जरूरतों को समाज और प्रशासन के सामने लाना था। छात्राओं ने यह पाया कि कई बच्चे शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं, वहीं कुछ बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है।

सर्वेक्षण से छात्राओं को क्षेत्रीय अध्ययन, सामाजिक शोध और व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। समाजशास्त्र विभाग के इस प्रयास की ग्रामीणों द्वारा सराहना की गई।

औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय द्वारा बी.ए. बी.एस.सी., बी. कॉम तथा बी. बी.ए. की छात्राओं के लिए दिनांक 26 नवम्बर 2025 को एक औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण के अन्तर्गत छात्राओं को पार्ले एम. पी. बिस्किट प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र रामनगर, चंदौली स्थित बिस्कुट निर्माण इकाई का अवलोकन कराया गया। भ्रमण के दौरान छात्राओं को बिस्किट निर्माण की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में प्रयोगात्मक तथा तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी।

भ्रमण के अंत में छात्राओं को फैक्ट्री में उपलब्ध रोजगार के अवसरों, प्लेसमेंट प्रक्रियाओं तथा उद्योग में कार्यरत विभिन्न विभागों के कार्यतन्त्र के बारे में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। इस शैक्षणिक यात्रा ने छात्राओं के व्यावहारिक ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि की तथा उन्हें औद्योगिक क्षेत्र की वास्तविक कार्यप्रणाली से रूबरू होने का अवसर प्रदान किया।

मालवीय जयंती एवं अटल बिहारी वाजपेयी जयंती का आयोजन

महाविद्यालय में भारत रत्नद्वय पं. मदन मोहन मालवीय जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटलबिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा राय ने इस अवसर पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वाजपेयी जी का जन्म दिवस सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनकी वाक्पटुता और भाषण की अद्भुत शैली लोगों को सम्मोहित कर देती थी। जब वे संसद या जनसभाओं में बोलते थे तो लोग मंत्रमुग्ध हो सुनते थे। वे कविता में राजनीति कह रहे हैं या राजनीति में कविता, यह समझना मुश्किल होता था।

महाविद्यालय के प्रवक्ता श्री मुकेश गुप्ता ने मालवीय जी के बारे में बताया कि वे महान शिक्षाविद्, बेहतरीन वक्ता और एक प्रसिद्ध नेता थे। महात्मा गांधी ने उन्हें 'महामना' की उपाधि दी थी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा अटलजी की कविताओं का भी वाचन किया गया।

Scan for Location

College Code - 154

Domari (Parao) - Ramnagar, Varanasi
9236895076, 9415624822, 9415450828
asrccollege@rediffmail.com
www.ascmm.in

B.Sc., B.Com.,
B.A., B.B.A.
M.Sc. (Botany, Zoology, Chemistry)
and M.Com., from 2026-27 Session